Annexure I

फ़्लैश कार्ड्स / वर्ण पर्चियाँ / बारहखड़ी पर आधारित गतिविधियाँ

गतिविधि 1

आवश्यक सामग्री - वर्ण-पर्चियाँ

कुछ वर्णों की पर्चियाँ बनाकर विद्यार्थियों के सामने एक टोकरी में रख दें तथा प्रत्येक विद्यार्थी को एक-एक पर्ची का चयन करने के लिए कहें । विद्यार्थी उस पर्ची पर लिखे वर्ण को पढ़कर कक्षा को बताएँ । अब उसे उस वर्ण को श्यामपट्ट पर (पहले से ही) लिखे हुए वर्णों में से ढूँढ़ने के लिए कहें।

गतिविधि हेतु निर्देश:-

1. गतिविधि को आरंभ करने से पहले शिक्षक/शिक्षिका विद्यार्थियों को सभी वर्णों का अभ्यास करवाएँ ।
2. गतिविधि शुरू करने से पहले ही पर्चियाँ बना लें।
3. पर्चियों में लिखे वर्णों को श्यामपट्ट पर पहले ही लिख लें।

गतिविधि 2

आवश्यक सामग्री -वर्ण पर्चियाँ

शिक्षक/शिक्षिका वर्णों की पर्चियाँ बनाकर एक टोकरी में रखें। विद्यार्थियों को गोला बनाकर बैठने/खड़े होने के लिए कहें। प्रत्येक विद्यार्थी को एक-एक पर्ची उठाकर गोले में आने के लिए कहें। विद्यार्थी को गोले के बीच में आकर अपनी पर्ची पर लिखे वर्ण को सबको दिखाते हुए बोल कर पढ़ने और उस वर्ण से एक शब्द बनाकर बोलने/बताने के लिए कहें। तत्पश्चात वह विद्यार्थी किसी अन्य विद्यार्थी को ताली देगा। पहले वाला विद्यार्थी उस विद्यार्थी के स्थान पर आ जाएगा जो अब गोले के बीच में है। जिस विद्यार्थी को ताली दी गई है वह गोले के बीच में आकर अपनी पर्ची के वर्ण को पढ़ेगा व शब्द भी बनाकर बताएगा । इसी प्रकार यह प्रक्रिया चलती रहेगी।

गतिविधि 3

शब्द अंत्याक्षरी

शिक्षक/शिक्षिका इस गतिविधि के लिए एक समूह या गोले में विद्यार्थियों को बैठने/खड़े होने के लिए कहें। एक विद्यार्थी को किसी वर्ण से एक शब्द बोलने के लिए कहें। अब उस शब्द के अंतिम वर्ण से उसके अगले स्थान पर बैठा विद्यार्थी कोई शब्द बोलेगा। इस प्रकार शब्द अंत्याक्षरी के क्रम को आगे बढ़ाएँ ।

उदाहरण - सेब >बस >सपेरा >रात > तबला.....

गतिविधि 4

आवश्यक सामग्री:- दो टोकरी/डिब्बे, विभिन्न मात्राओं के शब्दों की पर्चियाँ, बारहखड़ी चार्ट, *गत्ते से बनी चौकोर खिड़की।

गतिविधि के पूर्व की तैयारी:-

1. शिक्षक/शिक्षिका विभिन्न मात्राओं से बने शब्दों की कुछ पर्चियाँ बनाएँ (पर्चियों की संख्या का निर्धारण छात्रों की संख्या के अनुसार करें)। पर्चियाँ बनाते समय शब्द में प्रयुक्त मात्रा हेतु अलग रंग का प्रयोग करें। जैसे:- दिन, तीर, पुल, फूल इत्यादि।
2. टोकरी/डिब्बे पर मात्रा की पर्ची लगाएँ ।
3. शिक्षक/ शिक्षिका यह गतिविधि कराते समय प्रयास करें कि एक समय में दो ही मात्राओं के साथ गतिविधि करवाएँ। जैसे:- एक समय में 'इ' और 'ई' मात्रा वाले शब्दों का ही अभ्यास करवाएँ।

गतिविधि

भाग-1:- शब्दों की पर्चियों को सामने रखें। साथ में दो टोकरी/डिब्बे रखें और एक विद्यार्थी को बुलाकर एक पर्ची उठाकर उस पर लिखे हुए शब्द को पढ़ने के लिए कहें। इसके पश्चात उसे उस पर्ची को उपयुक्त टोकरी/ डिब्बे में रखने को कहें। इस प्रकार बारी-बारी सभी विद्यार्थियों के साथ इस गतिविधि को करवाएँ।

भाग -2:- इस गतिविधि में एक विद्यार्थी को किसी भी टोकरी में से कोई एक पर्ची उठाकर उसमें लिखे शब्द को पढ़ने को कहें तथा अन्य विद्यार्थी भी उसका उच्चारण करें फिर उस विद्यार्थी को उस शब्द को गत्ते की खिड़की की मदद से बारहखड़ी चार्ट पर ढूँढ़ने के लिए कहें। इस प्रकार बारी-बारी सभी विद्यार्थियों के साथ इस गतिविधि को करवाएँ ।

* **गत्ते की खिड़की कैसे बनाएँ ?**

1. एक चौकोर गत्ता लें तथा बारहखड़ी चार्ट में दिए गए वर्ण के लिए दिए गए स्थान के बराबर उस गत्ते को काटकर खिड़की जैसा आकार दे दें, ताकि जब इस गत्ते की खिड़की को बारहखड़ी चार्ट पर प्रयोग करें तब सिर्फ वही वर्ण दिखाई दे जिसे आप दिखाना चाहते हैं।

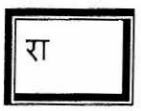

2. बारहखड़ी चार्ट पर गत्ते की खिड़की का प्रयोग कैसे करें?
उदाहरण:- मानो पर्ची पर 'रानी' शब्द लिखा है तो विद्यार्थी पहले गत्ते की खिड़की से 'रा' को ढूँढ़े, उसके बाद 'नी' को ढूँढ़े ।

गतिविधि 5

आवश्यक सामग्री:- वर्ण पर्चियाँ

गतिविधि:- कुछ वर्णों की पर्चियाँ बनाकर विद्यार्थियों के सामने एक टोकरी में रख दें, तथा किसी एक विद्यार्थी को बुलाकर एक पर्ची उठाने के लिए कहें। विद्यार्थी उस पर्ची पर लिखे वर्ण को पढ़कर कक्षा को बताएँ। फिर अध्यापक /अध्यापिका सभी विद्यार्थियों को पाठयपुस्तक रिमझिम-2 में उस अक्षर से शुरू होने वाले शब्द या ऐसा शब्द, जिसके बीच में वह अक्षर दिखाई दे, को ढूँढ़कर रेखांकित करने को कहें।

गतिविधि 6

आवश्यक सामग्री - वर्णों व मात्राओं के फ्लैश कार्ड्स, 2 डिब्बे या टोकरी ।

शिक्षक /शिक्षिका विद्यार्थियों के लिए गोले में बैठने/खड़े होने की व्यवस्था करें । गोले के बीच एक टोकरी में वर्णों के फ़्लैश कार्ड्स व दूसरी टोकरी में मात्रा के फ़्लैश कार्ड्स रख दें । पहले शिक्षक/शिक्षिका स्वयं फ़्लैश कार्ड्स की मदद से कुछ शब्द बनाकर विद्यार्थियों को दिखाएँ व गतिविधि समझाने का प्रयास करें। जैसे:- कल, मटर, मतलब, नीला आदि। इसके बाद विद्यार्थियों को सामने रखे फ़्लैश कार्ड्स की मदद से शब्द बनाने के लिए कहें। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए शब्दों को श्यामपट्ट पर भी लिखें। अंत में श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों का पठन करवाएँ ।

नोट :

- **मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के लिए यह अपेक्षित है कि** विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक में दी गई कविता /कहानी/ किताबों में दिए गए चित्र इत्यादि को पढ़कर अथवा किसी पठित कहानी / मन की बात आदि के माध्यम से अभिव्यक्ति के अधिकाधिक अवसर दें।

- **ऊपर सुझाई गई गतिविधियों व खेलों के अतिरिक्त भी कई अन्य खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्ण-अभ्यास करवाएँ । शिक्षक / शिक्षिका अपनी कक्षा के स्तर के अनुसार फ़्लैश कार्ड्स व बारहखड़ी चार्ट के माध्यम से ऐसे अन्य खेल भी खिलवाए जा सकते हैं जिनसे विद्यार्थी खेल-खेल में वर्णों व मात्राओं से परिचित हो सकें ।**

Mythili